बुधवार, 1, अप्रैल 2015

10

दैनिक भास्कर

मूल्य की ही साधना है शिक्षा : मिश्र

ब्यूरो | वर्धा

शिक्षा मूल्य की ही साधना है। वह मनुष्य बनने की प्रक्रिया है और यह मनुष्य होने को आसान भी बनाती है। आज मोबाइल और आईपॉड जैसे शिक्षा के उपकरणों के आने से सीखने के तौर तरीके भी बदल गए हैं। उन उपकरणों का शिक्षा में उपयोग आवश्यक हो गया है। उक्त विचार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने व्यक्त किए। वे विवि में शिक्षा एवं मनोविज्ञान विभाग तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 28,29 एवं 30 मार्च को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन के अवसर पर अध्यक्षीय वक्तव्य दे रहे थे। इस अवसर पर मंच पर आईआईटी कानपुर की प्रो. लीलावती कृष्णन, जेएनयू, नई दिल्ली के प्रो. अरविंद कुमार मिश्र, प्रो. बालकृष्णन उपाध्याय, विवि के शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता तथा संगोष्ठी संयोजक प्रो. अरबिंद कुमार झा, नाटयकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा उपस्थित थे।

तीन दिवसीय संगोष्ठी का समापन सोमवार को हबीब तनवीर सभागार में किया गया। समारोह में विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों को कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कुलपति प्रो. मिश्र ने शिक्षा और मूल्य पर अपनी बात रखते हुए कहा कि दूसरे की चिंता करना ही मूल्य है। हमें खुद की बजाए दूसरों का अधिक मूल्यांकन करना चाहिए। इससे आप बड़े होने के अधिकारी बन सकते है। उन्होंने शिक्षा विद्यापीठ के अंतर्गत मूल्य अध्ययन और अनुसंधान केंद्र स्थापित किए जाने की घोषणा भी अपने अध्यक्षीय संबोधन में की। समापन पर प्रो. लीलावती कृष्णन ने कहा कि जीवन में हर दिन नया सीखने का दिन होता है। शोध करते समय हमें शोध की सीढ़ी चढ़ते रहना चाहिए और शोध को गुणवत्ता पूर्ण बनाना चाहिए। प्रो.अरबिंद कुमार झा ने जीवन में मूल्यों को लेकर पैदा हुए संकट पर विस्तार से विर्मश किया। प्रो. सुरेश शर्मा ने कहा कि दृश्य और श्रव्य के माध्यम से भी शोध होना चाहिए ताकि सिनेमा और धारावाहिकों पर मूल्यपूरक शोध किया जा सके। प्रो. अरविंद कुमार मिश्र और बालकृष्ण उपाध्याय ने भी अपने मंतव्य दिए। संगोष्ठी के प्रतिभागी सलमा (झारखंड), संजय कुमार, (राजस्थान) तथा विवि की शोधार्थी अनुपमा ने भी अपनी बात रखी।

17

गुरुवार, 2 अप्रैल 2015

दैनिक भास्कर

फैकल्टी एवं ऑफिसर्स क्लब ने मनाया जश्न

ब्यूरो | वर्धा. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, नैक द्वारा ए ग्रेड प्रदान किए जाने पर विवि के फैकल्टी एंड ऑफिसर्स क्लब द्वारा विवि परिवार के साथ नागार्जुन सराय अतिथि गृह के लॉन में जश्न मनाया गया। इस अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र एवं वरिष्ठ प्रोफेसर मनोज कुमार ने उपस्थितों को संबोधित करते हुए विवि की उपलब्धि के लिए सभी को बधाई दी। भारत में हिंदी भाषा के विकास और संवर्धन के लिए स्थापित इस केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विवि अनुदान आयोग ने सभी विवि के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद नैक द्वारा मूल्यांकन एवं प्रत्यायन अनिवार्य कर दिया है जिसके तहत विवि के मूल्यांकन हेतु नैक की पीयर टीम ने पिछले 23 से 26 फरवरी के दौरान विवि के सभी पहलुओं का अवलोकन किया।

लोकमत समाचार

अपना विदर्भ

र, बुधवार, 1 अप्रैल 2015

हिंदी वि.वि. में अभिनंदन समारोह

वर्धा। 1 अप्रैल (लोस)

हिंदी विश्वविद्यालय को नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्रदान किए जाने पर विश्वविद्यालय के फैकल्टी एंड ऑफिसर्स क्लब की ओर से अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर प्रकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र एवं वरीष्ठ प्रोफेसर मनोज कुमार ने उपस्थितों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्ध के लिए सभी को बधाई दी. भारत में हिंदी भाषा के विकास और संवर्धन के लिए स्थापित इस केंद्रीय विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) ने 'ए' ग्रेड प्रदान किया है. नैक की पीयर टीम ने विश्व विद्यालय के सभी पहलुओं का अवलोकन किया. कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने अपने गीत एवं कविताओं के माध्यम से अपनी प्रस्तुतियां भी दी. क्लब की सचिव डॉ. सुप्रिया पाठक ने किया.

12

दैनिक भास्कर
गुरुवार, 2 अप्रैल, 2015

डा.एच.ए हुनगुंद ने मलेशिया में प्रस्तुत किया शोध आलेख

ब्यूरो|वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि में भाषा विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर डा.एच.ए हुनगुंद ने केबांगसन विवि कौलालंपुर, मलेशिया में भाषा शिक्षण पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत में द्वितीय भाषा शिक्षण की समस्याएं विषय पर शोध आलेख प्रस्तुत किया। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने केबांगसन विवि के कुलपति प्रो. दातुक नूर अधलन गजली, संगोष्ठी की अध्यक्ष शरीफा जूरिना सैयद कमरूल्ला जमन, सचिव क्षमती अजीजाहा याकूबसन तथा चीथा लोय खिम से चर्चा कर उन्हें विवि की ओर से प्रकाशित डायरी एवं कैलेंडर भेंट किए। संगोष्ठी में डा.हुनगुंद के अभ्यासपूर्ण आलेख की उपस्थितों ने सराहना की तथा उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

सकाळ
गुरुवार,
२ एप्रिल २०१५

डॉ. हुनगुंद यांचा मलेशियात शोधनिबंध सादर

वर्धा, ता. १ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील भाषा विद्यापीठातील सहायक प्रा. डॉ. एच. ए. हुनगुंद यांनी केबांगसन विश्वविद्यालय कौलालपूर, मलेशिया येथे शिक्षणावर आयोजित दोन दिवसीय आंतरराष्ट्रीय चर्चासत्रात 'भारतात द्वितीय भाषा शिक्षणाच्या समस्या' या विषयावर शोध निबंध सादर केला. मलेशिया प्रवासात डॉ. हुनगुंद यांनी केबांगसन विश्वविद्यालयाचे कुलगुरू प्रा. दातुक नूर अधलन गजली, चर्चासत्राच्या प्रमुख शरीफा जूरिना सैयद कमरुल्ला जमन, सचिव क्षमति अजीजाहा याकूबसन तथा चीथा लोय खिम यांच्याशी चर्चा केली. यावेळी त्यांनी विश्वविद्यालयाची दैनंदिनी आणि कॅलेंडर भेट स्वरूपात प्रदान केले. त्यांच्या निबंधाची उपस्थितांनी प्रशंसा करत आभार मानले.

लोकशाही वार्ता।गुरुवार, २ एप्रिल २०१५

डॉ. हुनगुंद यांचा मलेशियात शोधनिबंध सादर

प्रतिनिधी/वर्धा

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील भाषा विद्यापीठातील सहायक प्रोफेसर डॉ. एच. ए. हुनगुंद यांनी केबांगसन विश्वविद्यालयातील कौलालंपुर, मलेशिया येथे भाषा शिक्षणावर आयोजित दोन दिवसीय आंतरराष्ट्रीय चर्चासत्रात 'भारतात द्वितीय भाषा शिक्षणाच्या समस्या' या विषयावर शोध निबंध सादर केला. आपल्या मलेशिया प्रवासात डॉ. हुनगुंद यांनी केबांगसन विश्वविद्यालयाचे कुलगुरू प्रो. दातुक नूर अधलन गजली, चर्चासत्राच्या प्रमुख शरीफा जूरिना सैयद कमरूल्ला जमन, सचिव क्षमति अजीजाहा याकुबसन तथा चीथा लोय खिम यांच्याशी चर्चा केली. यावेळी त्यांनी विश्वविद्यालयाची दैनंदिनी आणि कॅलेंडर भेट स्वरूपात प्रदान केले. त्यांच्या निबंधाची उपस्थितांनी प्रशंसा करत त्यांचे आभार मानले.

(18)

तरुण भारत
शुक्रवार, ३ एप्रिल २०१५

हिंदीचा प्रादेशिक भाषांशी घनिष्ठ संबंध : शुक्ला

वर्धा : हिंदी भाषा प्रादेशिक भाषांना पूरक आहे. हिंदी आणि प्रादेशिक भाषा भिन्न नाहीत. ज्याप्रमाणे आपल्या शरीरातील रक्तवाहिन्यांचा परस्परांशी संबंध असतो, तसाच विविध भौगोलिक विभागात बोलल्या जाणाऱ्या प्रादेशिक भाषांचा संबंध असतो. आपल्या भाषेविषयी जिव्हाळा असणे स्वाभाविक आहे. पण यासाठी अन्य भाषांचा विरोध करणे असंस्कृतपणाचे लक्षण असल्याचे प्रतिपादन प्रा. हनुमानप्रसाद शुक्ला यांनी केले. ते एमगिरी येथे प्रादेशिक भाषा आणि हिंदी विषयावरील कार्यशाळेत मार्गदर्शन करताना बोलत होते. अध्यक्षस्थानी एमगिरीचे संचालक डॉ. प्रफुल्ल काळे होते. प्रास्ताविक मनोरंजन पटनायक यांनी, संचालन अपर्णा सिंह यांनी केले. यावेळी एमगिरीचे कर्मचारी, हिंदी विद्यापीठातील सामाजिक संशोधन विभागातील विद्यार्थी उपस्थित होते.

दैनिक भास्कर
शुक्रवार. 3 अप्रैल 2015

हिंदीत प्रादेशिक भाषांचा संग्रह

शुक्ला यांचे मत,प्रादेशिक भाषा कार्यशाळा,

प्रतिनिधी/वर्धा

हिंदी भाषा प्रादेशिक भाषांना पुरक आहे. हिंदी आणि प्रादेशिक भाषा या भिन्न नाहीत. ज्याप्रमाणे आपल्या शरीरातील रक्तवाहिन्यांच्या परस्परांशी संबंध असतो तसाच विविध भौगोलिक विभागात बोलण्यात येणाऱ्या प्रादेशिक भाषांचा संबंध असतो. आपल्या भाषांविषयी जिव्हाळा असणे स्वाभाविक आहे. पण यासाठी अन्य भाषांचा विरोध करणे असंस्कृतपणाचे लक्षण असल्याचे मत प्रा. हनुमानप्रसाद शुक्ला यांनी मांडले.

एमगिरी येथे 'प्रादेशिक भाषा आणि हिंदी' या विषयावर कार्यशाळा घेण्यात आली. याप्रसंगी प्रमुख वक्ता ते बोलत होते. अध्यक्षस्थानी संचालक डॉ. प्रफुल्ल काळे होते. प्रास्ताविक डॉ. मनोरंजन पटनायक यांनी केले. कार्यक्रमाचे संचालन व आभार अर्पणा सिंह यांनी मानले. यावेळी एमगिरीचे अधिकारी, कर्मचारी वर्ग यासह हिंदी विद्यापीठातील सामाजिक संशोधन विभागातील विद्यार्थी उपस्थित होते.

(21)

शनिवार, 4 अप्रैल 2015

दैनिक भास्कर

हरियाली

हिंदी विवि का परिसर, गर्मी के दिनों में भी हरियाली से भरपूर है। विभिन्न रंगों के पौधे तपन में आखों को ठंडक का एहसास कराते हैं।

शनिवार, दि. ४ एप्रिल २०१५

देशोन्नती

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यापीठात गांधीजींच्या चष्म्याची प्रतिकृती उभारण्यात आली आहे. विद्यापीठाला भेट देणाऱ्यांचे हा चष्मा आकर्षण ठरले आहे.

मंगलवार, 7 अप्रैल, 2015

दैनिक भास्कर

29

लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में हुई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा

ब्यूरो | वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ आईक्यूएसी की चौथीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में नेक की पीयर टीम द्वारा दिए गए सुझावों एवं अकादमिक विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। बैठक में महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिकरण संस्था, एमगिरि के निदेशक प्रो. प्रफुल्ल काले, यशवंत महाविद्यालय के विधि विभाग के अध्यक्ष प्रो.अशोक पावडे, दिल्ली विवि के प्रो. आनंद प्रकाश, विवि के प्रो. मनोज कुमार , प्रो. सूरज पालीवाल, प्रो. अनिल कुमार रॉय , प्रो. सुरेश शर्मा, प्रो. हनुमंत प्रसाद शुक्ल, प्रो. एल.कारूण्यकरा, डा. अन्नपूर्णा सी संयुक्त कुलसचिव कादर नवाज खान तथा अकादमिक संयोजक डा. शोभा पालीवाल उपस्थित थे। भाषा विद्यापीठ के सभागार में आयोजित बैठक में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अनुसार पाठयक्रम निर्माण करना, कमजोर विद्यार्थियों के लिए प्रभावशाली उपाय अपनाना, विभिन्न संस्थाओं से शोध परियोजनाएं प्राप्त करने की दिशा में प्रयास करना, भारतीय, एशियाई, युरोपीय और लैटिन अमेरिकी साहित्य के हिंदी अनुवाद पर जोर देना, विशेषज्ञता आधारित परामर्श कार्यक्रम को बढ़ावा देना एवं वनीकरण को बढ़ावा देना आदि विषयों पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। धन्यवाद ज्ञापन आईक्यूएसी की समन्वयक डा.शोभा पालीवाल ने किया।

दैनिक भास्कर
बुधवार, 8 अप्रैल 2015

हिंदी विवि में व्याख्यान आज

ब्यूरो | वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के अनुसंधान अधिकारी जीतेंद्र गुप्त द्वारा लिखित आलोचना पुस्तक भारतीय इतिहासबोध का संघर्ष और हिंदी प्रदेश के लिए बीसवां देवीशंकर अवस्थी सम्मान प्राप्त हुआ है। इस तारतम्य में वर्धा संस्कार और बहुवचन के संयुक्त तत्वावधान में इतिहासबोध का संघर्ष-संघर्ष का इतिहासबोध विषय पर जीतेंद्र गुप्त का एक व्याख्यान बुधवार को साढ़े 4 बजे हबीब तनवीर सभागार में आयोजित किया गया है। व्याख्यान के उपरांत कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के सानिध्य में हिंदी आलोचना का इतिहास विषय पर संगोष्ठी होगी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के प्रधानमंत्री प्रो. अनंतराम त्रिपाठी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र करेंगे, संगोष्ठी में वक्ता के रूप में प्रो.सूरज पालीवाल, प्रो.के.के सिंह, रामानूज अस्थाना, मनोज पांडेय तथा संजीव कुमार वक्तव्य देंगे। संगोष्ठी में उपस्थित रहने का आह्वान बहुवचन के संपादक अशोक मिश्र संस्कार संयोजक राकेश श्रीमाल ने किया है।

रविवार, 12 अप्रैल 2015,

दैनिक भास्कर

समानता, सक्षमता और उत्कृष्टता के लिए सीबीसीएस आवश्यक : प्रो.देवराज

ब्यूरो. वर्धा

शिक्षा में समानता, सक्षमता और उत्कृष्टता लाने के लिए चॉइस बेस्ट क्रेडिट सिस्टम आवश्यक है। सभी केंद्रीय और राज्य विवि को चाहिए कि वे अपने पाठ्यक्रम में इस प्रणाली को लागू कर विद्यार्थियों को अधिक से अधिक विषयों में अध्ययन करने की आजादी प्रदान करें। उक्त विचार विवि अनुदान आयोग, नई दिल्ली के उपाध्यक्ष प्रो. देवराज ने व्यक्त किए।

वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि एवं विवि अनुदान आयोग नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मुंबई विवि के कविवर्य कुसुमाग्रज मराठी भाषा भवन में आयोजित चॉइस बेस्ट क्रेडिट सिस्टम कार्यशाला के उद्घाटन पर मुख्य वक्तव्य दे रहे थे। शुक्रवार को संपन्न हुए उद्घाटन समारोह में मंच पर मुंबई विवि के कुलपति डा.राजन वेलूकर, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, सीबीसीएस के विषय विशेषज्ञ प्रो.श्रीमन नारायण तथा प्रो.एम पी महाजन, मुंबई विवि के प्रति कुलपति डा. नरेश चंद्र उपस्थित थे। इस कार्यशाला में महाराष्ट्र, गोवा, मध्यप्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ तथा बिहार इन छह राज्यों के कुलपति, कुलसचिव तथा वरिष्ठ प्रोफेसर समेत दो सौ से अधिक प्रतिनिधि उपस्थित हुए। प्रो. देवराज ने सीबीसीएस की विस्तार से व्याख्यान करते हुए बदलते शैक्षणिक परिदृश्य में विद्यार्थियों के लिए उसकी आवश्यकता को लेकर अपने वक्तव्य में कहा कि नेशनल क्वालिफिकेशन कमिशन ने शिक्षा में समरूपता लाने पर बल दिया है और इसे अमलीजामा पहनाने के लिए विवि अनुदान आयोग ने सीबीसीएस प्रणाली के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी रुचि के विषय पढ़ने की आजादी दी है। इस प्रणाली में शिक्षक को ही मुख्य आधार माना गया है। आयोग केवल पॉलिसी बनाने का काम करता है। यूजीसी चाहती है कि हमारी शिक्षा प्रणाली और शिक्षक भी जवाबदेही बने ताकि उच्च शिक्षा के माध्यम से छात्रों में मूल्यों का संचार हो और उन्हें करियर बनाने के लिए उनमें सक्षमता और उत्कृष्टता विकसित हो। शिक्षकों को चाहिए कि वे गुगल पर आश्रित होने के बजाए आदर्श गुरु बने। उन्होंने कहा कि, सीबीसीएस पूरे देशभर के शिक्षा संस्था में लागू करने के लिए मानव संसधान विकास मंत्री स्मृति इरानी ने पहल करें इसे शिक्षण शेष के लिए महत्वकांक्षी निर्णय बनाया है। समारोह में प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि, विद्यार्थियों को करिअर चुनने के लिए सीबीसीएस एक उपयोगी विकल्प है। उन्होंने अपने विवि का हवाला देते हुए कहा कि, हम अंतर-अनुशासित पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को अनेक विषय पढ़ने की स्वतंत्रता दे रहे हैं।

जंगल में मिली महिला की लाश

गोंदिया. चिचगड थानांतर्गत वडेकसा जंगल में अज्ञात महिला की लाश मिली। घटना 10 अप्रैल सुबह को सामने आई। चिचगड़ पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का ममाला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार महुआफूल का मौसम शुरू होने से क्षेत्रवासी सुबह से ही महुआ फूल चुनने के लिए गए थे। वहां उन्हें बदबू आई। जिसकी खबर वनपरिक्षेत्र के कर्मचारियों को दी गई। घटना की शिकायत चिचगड के खुशबू राकेश बघेल ने पुलिस को दी। पुलिस ने घटनास्थल पर जाकर पंचनामा किया।

मंगलवार, 14 अप्रैल 2015

दैनिक भास्कर

आलोचना पर बाजारवाद का प्रभाव : प्रो.मिश्र

भारतीय इतिहासबोध का संघर्ष विषय पर व्याख्यान

ब्यूरो | वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि आज की हिंदी आलोचना पर बाजारवाद का गहरा प्रभाव है। आलोचना किसी भी दृष्टि से की जा सकती है और यह स्थिति बौद्धिक विकास का विकल्प है। लेकिन बौद्धिकों को अपने विचारों के स्रोत के बारे में अपनी दार्शनिक प्रेरणाओं के बारे में स्थिति अवश्य स्पष्ट करनी चाहिए। मिश्र ने यह बात वर्धा संस्कार एवं बहुवचन के संयुक्त तत्वावधान में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के हबीब तनवीर सभागार में आयोजित हिंदी आलोचना का इतिहास संगोष्ठी में कही। उन्होंने ब्रितानी साम्राज्यवादी इतिहासकारों और बौद्धिकों द्वारा भारतीयों के बारे में फैलाए गए दुष्प्रचार के बारे में भी बताया। उनका कहना था कि मनोविज्ञान जैसे अकादमिक अनुशासन तक में इस तरह की तर्कहीन और गर्हित बाते भारतीयों के बारे में दर्ज है। इस मौके पर विवि के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा अनुसंधान अधिकारी जीतेंद्र गुप्ता को शाल देकर सम्मानित किया गया। युवा आलोचक जीतेंद्र गुप्ता को पिछले दिनों दिल्ली में 19 वें देवीशंकर अवस्थी पुरस्कार भारतीय इतिहासबोध का संघर्ष और हिंदी प्रदेश के लिए प्रदान किया गया। जीतेंद्र गुप्ता ने इतिहास बोध का संघर्ष -संघर्ष का इतिहास बोध विषय पर एक व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने 20वीं शताब्दी के आरंभिक दौर में भारतीय जनता के बारे में ब्रितानी साम्राज्यवादी इतिहासकारों की गलत व्याख्याओं के इतिहास को बताया। विस्तारपूर्वक जानकारी दी कि किस प्रकार हिंदी के प्रारंभिक बौद्धिकों ने भारतीय इतिहासबोध को एक शक्ल प्रदान की।

व्याख्यान के बाद हिंदी आलोचना का इतिहास विषय पर एक संगोष्ठी हुई जिसमें गोरखपुर विवि से आए मुख्य अतिथि प्रो.सुरेंद्र दुबे ने जीतेंद्र गुप्ता की उनके आलोचकीय साहस के लिए प्रशंसा की और हिंदी आलोचना की आरंभिक प्रवृत्तियों के आधार पर हिंदी प्रदेश में बौद्धिक स्तर पर उपजे साम्राज्यवाद विरोधी माहौल के बारे में बताया। उन्होंने इस बौद्धिक उपलब्धि का श्रेय हिंदी के आरंभिक आलोचकों को दिया। संगोष्ठी में साहित्य विद्यापीठ के प्रो.कृष्ण कुमार सिंह ने हिंदी आलोचना पर दो टूक बातें कही। उन्होंने शेष | पेज 16 पर

आलोचना पर बाजारवाद...

इस बात ओर इशारा किया कि बहुत खराब स्थिति उत्पन्न हो रही है। इसके पश्चात सूरज पालीवाल, डा.रामानूज अस्थाना, युवा कहानीकार मनोज कुमार पांडेय व शोध छात्र संजीव कुमार ने अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो.चित्तरंजन मिश्र ने कहा कि भाषा और विचार का विकास असहमति से होता है। असहमति से ही वातावरण निर्मीत होता है। आज की आलोचना तुरंत की संस्कृति की आलोचना है। उन्होंने संगोष्ठी में हुए विचार-विमर्श की प्रशंसा की और कहा की विवि हिंदी आलोचना के इतिहास पर गोष्ठियों के माध्यम से आगे भी कार्य करेगा। संगोष्ठी का संचालन अशोक मिश्र ने किया। कार्यक्रम के अंत में कथाकार राकेश मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया। विवि के प्रकोष्ठ वर्धा संस्कार के संयोजक राकेश श्रीमाल एवं बहुवचन संपादक ने संगोष्ठी को क्रियान्वित किया। कार्यक्रम में विवि के शिक्षक, छात्र और शोधार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शुक्रवार, 17 अप्रैल 2015

दैनिक भास्कर

डा. आंबेडकर से प्रेरणा लेकर ज्ञानदीप जलाएं : प्रो. मिश्र

» भाषण प्रतियोगिता में उपासना गौतम प्रथम

ब्यूरो | वर्धा. डा. बाबासाहेब आंबेडकर अपने लिए नहीं बल्कि अपने समाज को बड़ा बनाने के लिए उन्होंने ज्ञान अर्जित किया। उन्होंने विभिन्न विधाओं में ज्ञान प्राप्त कर अपने समय की बड़ी ताकतों को झुकाया। उनके ज्ञान का दीप अपने भीतर महसूस करने के लिए हमें डा. आंबेडकर से प्रेरणा लेनी होगी। यह विचार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने व्यक्त किए। वे विवि में भारतरत्न डा. बाबासाहेब आंबेडकर की 124वीं जंयती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में बोल रहे थे। विवि के हबीब तनवीर सभागृह में 14 अप्रैल को आयोजित समारोह में दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र के निदेशक तथा संस्कृति विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो.एल. कारुण्यकरा, भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद कुमार झा, डा.भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र के प्रभारी डा. सुरजीत कुमार सिंह मंचासीन थे।

प्रो. मिश्र ने कहा कि डा. आंबेडकर पर बुद्ध का गहरा प्रभाव था। उन्होंने बुद्धकालीन गणराज्य व्यवस्था का अध्ययन कर उसे भारतीय संविधान में उतारा है। किशन पटनायक द्वारा लिखित विकल्पहीन नहीं है दुनिया पुस्तक का जिक्र करते हुए प्रो. मिश्र ने कहा कि दलितों और पिछड़ों में न्याय की भूख पैदा करने में महात्मा फुले, लोहिया और डा. आंबेडकर की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि भारत ही नहीं अपितु दुनिया के अनेक देश आज डा. आंबेडकर के ज्ञान का लोहा मान रहे हैं। प्रो. कारूण्यकरा ने कहा कि डा. आंबेडकर को केवल दलितों का नेता नहीं कहा जा सकता। वे पूरे देश और समाज के ऐसे नेता थे, जिन्होंने समाज के हर वर्ग के प्रति संघर्ष किया। प्रो. अरबिंद कुमार झा ने डा. आंबेडकर के जीवन और कार्य के अनेक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि वे देश और दुनिया के लिए ज्ञान के प्रतीक है। प्रारंभ में उपस्थित अतिथियों ने डा. आंबेडकर की प्रतिमा को माल्यार्पण किया। मुख्य समारोह के बाद विवि के विद्यार्थी और कर्मियों के लिए दलित और सामाजिक परिवर्तन विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें विवि के छात्र-छात्राओं ने अपने विचार रखे। प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार उपासना गौतम को, दूसरा पुरस्कार रजनीश कुमार त्रिपाठी को तथा तीसरा पुरस्कार आकाश खोब्रागडे, दिनेश पटेल और राजेश अहिरवार को दिया गया। प्रतियोगिता के परीक्षक की भूमिका में प्रो.एल कारूण्यकार, प्रो. अरबिंद कुमार झा और नृपेंद्र प्रसाद मोदी थे। कर्मी अमन ताकसांडे ने वो बात करो पैदा.....गीत प्रस्तुत किया। मुख्य समारोह का संचालन डा. सुरजीत कुमार सिंह ने किया तथा भाषण प्रतियोगिता का संचालन साहित्य विद्यापीठ में सहायक प्रोफेसर डा. उमेश कुमार सिंह ने किया। समारोह में अध्यापक, अधिकारी, कर्मी, वर्धा के गणमान्य नागरिक एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

दैनिक भास्कर
मंगलवार 21 अप्रैल, 2015

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पर व्याख्यान

हिंदी विवि के सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास का आयोजन

ब्यूरो |वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि में स्थित सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान संस्थान, सांवगी के मनोविश्लेषक डा. प्रकाश बेहरे एवं उनके सहयोगी चिकित्सक, नाटयकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के प्रो. सुरेश शर्मा, कुलसचिव संजय गवई, छात्रावास अधीक्षक अर्वतिका शुक्ला तथा छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत कुलपति प्रो.मिश्र के हाथों स्मृति चिन्ह एवं सूत की माला देकर किया गया। कार्यक्रम का आयोजन छात्रावास में गठित अध्ययन समिति की ओर से किया गया।

कार्यक्रम में डा. बेहरे ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विषय पर अपने विचार व्यक्त कर छात्राओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने बताया कि मानसिक रोग के अलग-अलग कारण होते हैं और उस व्यक्ति की दिनचर्या और उसके व्यक्तित्व पर निर्भर करता है। मानसिक बीमारी के लक्षणों में नींद ना आना, अधिक विचार या चिंता करना, बार-बार क्रोध आना, आवाज बंद हो जाना, घबराहट आदि शामिल है। उन्होंने उदाहरण के साथ कहा कि टीवी कार्यक्रमों में अधिकतर मानसिक रोगी दिखाए जाते हैं किंतु मानसिक रोगियों की स्थिति उसी प्रकार की नहीं होती। मानसिक रोग के लक्षणों में बदलाव आने के बाद वह बीमारी पागलपन का रूप धारण कर सकती है और उस व्यक्ति के लिए ये लक्षण खतरनाक बीमारी के रूप में सामने आती है।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने कई सवाल किए। डा. बेहरे ने कहा कि युवा वर्ग में अधिक समस्याएं होती हैं। जैसे पढ़ाई, परीक्षाएं, दोस्त, घर का वातावरण, असफलता से निराश होना आदि। इसमें बार-बार दोस्तों को बदलना, मल्टीपल रिलेशनशिप भी मानसिक रोग के लक्षण होते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकतर युवाओं को इस बीमारी से बचना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास की अधीक्षक तथा स्त्री अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर अर्वतिका शुक्ला ने किया। कार्यक्रम आयोजकों में अध्ययन समिति की संयोजक चित्रलेखा अंशु, सदस्य उमा, भारती, सविता, नीलिमा, भावना मासीवाल, आरती शामिल थी। कार्यक्रम में छात्रावास की विभिन्न विभागों की छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

गुरुवार 23 अप्रैल, 2015

दैनिक भास्कर

छात्रों ने किया सत्याग्रह आंदोलन

» बढ़ा हुआ शैक्षणिक शुल्क पीछे लेने की मांग

ब्यूरो | वर्धा.

महात्मा गांधी हिंदी विश्व विद्यालय के विविध विभाग के सैकड़ों विद्यार्थियों ने अपनी विविध मांगों को लेकर मंगलवार को एकत्रित होकर प्रो.कुलपति के कार्यालय के सामने सत्याग्रह आंदोलन किया।

हिंदी विवि ने हर एक विभाग के विविध पाठ्यक्रम का शुल्क नियम का उल्लंघन बढ़ा दिया है। सत्र 2015-16 के लिए 100 से 200 फीसदी फीस बढ़ाकर विद्यार्थियों को लूटने का आरोप लगाते हुए बढ़ाया गया शुल्क पीछे लें, पुरानी पद्धति से ही शुल्क लेने की मांग विद्यार्थियों ने की। हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम पर अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय शुरू किया गया। इस विवि में देश के विविध राज्य के विद्यार्थी विविध पाठ्यक्रम की शिक्षा ले रहे हैं। वर्ष 2014-15 में एमए समाज कार्य विषय के पाठयक्रम के लिए प्रवेश के समय पहली किश्त के तौर पर 150 रुपए, सुरक्षा राशि 250 रुपए, शिक्षा 800 रुपए, स्टुडिओ, प्रयोगस्कूल, शैक्षणिक भ्रमण एक हजार रुपए, चिकित्सा शुल्क 50 रुपए, लायब्रेरी 50 रुपए, सांस्कृतिक 75 रुपए, पहचान पत्र 25 रुपए, परीक्षा शुल्क 100 रुपए शुल्क लिया जाता था। लेकिन वर्ष 2015-16 में इसी पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश शुल्क 300 रुपए, सुरक्षा राशि एक हजार रुपए, शिक्षा एक हजार रुपए, स्टुडिओ, प्रयोग स्कूल, शैक्षणिक भ्रमण तीन हजार रुपए, चिकित्सा शुल्क 150 रुपए, लायब्रेरी 100 रुपए, सांस्कृतिक 150 रुपए,पहचान पत्र 100 रुपए, परीक्षा शुल्क 300 रुपए तथा विद्यार्थी कल्याणकोश के तौर पर 500 रुपए लिए जाएंगे। पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश के समय पहली किश्त के तौर पर 2014-15 में प्रवेश शुल्क 300 रुपए, सुरक्षा राशि 1000 हजार, चिकित्सा शुल्क 50 रुपए, लायब्रेरी 300 रुपए, सांस्कृतिक 75 रुपए, पहचान पत्र 25 रुपए, परीक्षा शुल्क के तौर पर 1 हजार रुपए लिए जाते थे। लेकिन अब 2015-16 के लिए इसी पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश शुल्क 2 हजार रुपए, सुरक्षा राशि 3 हजार रुपए, शिक्षा 2 हजार, स्टुडिओ, प्रयोगस्कूल,शैक्षणिक भ्रमण एक हजार, चिकित्सा शुल्क 150 रुपए, लायब्ररी 500 रुपए, सांस्कृतिक 150 रुपए, पहचान पत्र 100 रुपए,परीक्षा शुल्क 4 हजार रुपए, विद्यार्थी कल्याण **शेष** | पेज 16 पर

छात्रों ने किया...

तरह विवि के विविध पाठ्यक्रम का शुल्क भी बढ़ाने का आरोप विद्यार्थियों ने लगाया है। विवि के शैक्षणिक सत्र 2015-16 के लिए बढ़ाया गया शुल्क नियमों से अधिक होकर उसे पीछे लेने की मांग को लेकर विद्यार्थियों ने सत्याग्रह आंदोलन किया। आंदोलन में विवि के विविध शाखा के सैकड़ों विद्यार्थी शामिल हुए।

शुक्रवार 24 अप्रैल 2015

दैनिक भास्कर

हिंदी विवि में 'आखर अद्यतन' का आयोजन

ब्यूरो|वर्धा. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि आखर अद्यतन के अंतर्गत आकाशवाणी के मशहूर समाचार वाचक एवं कहानीकार नवनीत मिश्र के कहानी पाठ का आयोजन हबीब तन्नवीर सभागृह में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने की। इस अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो.चित्तरंजन मिश्र एवं कुलानुशासक प्रो.सूरज पालीवाल भी मंचस्थ थे।नवनीत मिश्र ने अपनी व्यक्तिगत डायरी की कृपया इसे न पढ़ें नामक कहानी का पाठ किया। उन्होंने अपनी जादुई आवाज में कहानी को पढ़ते हुए श्रोताओं को संवेदना की ऊंचाई का एहसास कराया। उनकी कहानी पर टिप्पणी करते हुए कुलपति प्रो.गिरीश्पर मिश्र ने कहा कि नवनीत मिश्र की कहानी प्रयोग की दृष्टि से उल्लेखनीय होने के साथ विमर्शों आदि से मुक्त जीवन की कहानी है। उनकी कहानी में समृद्ध नारी की झलक दिखाई पड़ती हैं, वह जीवन मूल्यों को स्थापित करती है। उन्होंने कहा कि कहानी साहित्य की एक मुख्य विद्या है और इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से हमें साहित्य के वैभव को बढ़ाना चाहिए। प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कहानी पर अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि रचनाकार भीतर के अभाव को भाव बदलने की चेष्टा करता है। कहानी की विशेषता यह है कि इसमें पाठक कहानी का पात्र बनकर उसका सुख और दुख भी भोगता है। प्रो.सूरज पालीवाल ने कहा कि नवनीत मिश्र की कहानी सुख से शुरू हो कर कारुण्य में समाप्त होती है। इस अवसर पर प्रो.के.के.सिंह, डा.अनवर अहमद सिद्दीकी, राकेश मिश्र, डा.सुरजीत कुमार सिंह, ऋषभ मिश्र तथा शोधार्थी अभिषेक त्रिपाठी ने भी कहानी पर अपनी बात रखी।

दैनिक भास्कर
शुक्रवार, 24 अप्रैल, 2015

हिंदी व्याकरण परीक्षक का प्रदर्शन

ब्यूरो|वर्धा.

महात्मा गांधी अंतर राष्ट्रीय हिंदी विवि के सहायक प्रोफेसर डा.धनजी प्रसाद द्वारा हिंदी व्याकरण परीक्षक का विकास किया गया है। इस सॉफ्टवेयरा का प्रदर्शन मंगलवार को विवि के भाषा विद्यापीठ में कुलपति प्रो.गिरिश्वर मिश्र की उपस्थिति में किया गया। इस सॉफ्टवेयर को आचार्य नाम दिया गया है। प्रस्तुतिकरण में डा.धनजी प्रसाद ने बताया कि यह एक नियम आधारित सॉफ्टवेयर है, जिसमें 50 हजार शब्दों के डाटाबेस का प्रयोग किया गया है। यह सॉफ्टवेयर वाक्य और पदबंध स्तर के ही स्तरों का कार्य करता है। इसके लिए वाक्य स्तर के 56 और पदबंध स्तर के 28 नियम दिए गए हैं। अभी इस सॉफ्टवेयर का विकास कार्य जारी है।। यह सॉफ्टवेयर वाक्य या पदबंध स्तर की जाने वाली व्याकरणिक त्रुटियों को लाल रंग का और सही प्रयोगों को हरे रंग का कर देता है। इस प्रस्तुतीकरण में प्रो.उमाशंकर उपाध्या, जगदीप सिंह दागी, डा.अनिल कुमार पाण्डेय, डा.अशोकनाथ त्रिपाठी, डा.रामानुज अस्थाना, डा.अनिल कुमार दुबे, डा.हुनगुंद, डा.उमेश सिंह सहित विभिन्न विभागों के अध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित थे।

शुक्रवार 24 अप्रैल, 2015

दैनिक भास्कर

हिंदी व्याकरण परीक्षक सॉफ्टवेयर का प्रदर्शन

ब्यूरो | वर्धा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के सहायक प्रोफेसर डा.धनजी प्रसाद द्वारा हिंदी व्याकरण जांचक का विकास किया गया है। इस सॉफ्टवेयर का प्रदर्शन मंगलवार को विवि के भाषा विद्यापीठ में कुलपति प्रो.गिरिश्वर मिश्र की उपस्थिति में किया गया।

इस सॉफ्टवेयर को आचार्य नाम दिया गया है। प्रस्तुतिकरण में डा .धनजी प्रसाद ने बताया कि यह एक नियम आधारित सॉफ्टवेयर है जिसमें 50 हजार शब्दों के डाटाबेस का प्रयोग किया गया है। यह सॉफ्टवेयर वाक्य और पदबंध स्तर के दो स्तरों का ही कार्य करता है। इसके लिए वाक्य स्तर के 56 और पदबंध स्तर के 28 नियम दिए गए हैं। अभी इस सॉफ्टवेयर का विकास जारी है। यह सॉफ्टवेयर वाक्य या पदबंध स्तर पर होने वाले व्याकरण की त्रुटियों को लाल रंग का और सही प्रयोगों को हरे रंग का कर देता है।

इस प्रस्तुतिकरण में प्रो.उमाशंकर उपाध्याय, जगदीप सिंह दांगी, डा.अनिल कुमार पाण्डेय, डा.अशोकनाथ त्रिपाठी, डा.रामानुज अस्थाना, डा. अनिल कुमार दुबे, डा. हुनगुंद, डा.उमेश सिंह सहित विभिन्न विभागों के अध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रस्तुतिकरण के पश्चात कुलपति महोदय द्वारा सॉफ्टवेयर को और अधिक उपयोगी बनाने हेतु अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। कुलपति महोदय के अतिरिक्त उपस्थित अन्य प्राध्यापकों द्वारा भी अनेक बहुमूल्य सुझाव दिए गए।

शुक्रवार 24 अप्रैल 2015

दैनिक भास्कर

नागपुर. शुक्रवार. 24 अप्रैल 2015

हिंदी विवि के विद्यार्थियों का आंदोलन खत्म

शुल्कवृद्धि को दिया गया स्थगन

ब्यूरो | वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठ ने सत्र 2015-16 के अचानक प्रवेश शुल्क वृद्धि का निर्णय लिया। जिसके विरोध में विद्यार्थियों ने सोमवार से आंदोलन शुरु किया था। जिस पर गौर करते हुए आखिरकार विद्यापीठ ने शुल्कवृद्धि को स्थगिती दी है। जिसके बाद आंदोलन पिछे लिया गया।

विद्यापीठ के स्त्री अध्ययन, दलित व [illegible]ति अध्ययन, हिंदी साहित्य, अहिंसा व शांति अध्ययन आदी विषयों के एम.ए.पाठ्यक्रम का शुल्क 2 हजार 300 रुपए से 5 हजार 300 रुपए कराने का निर्णय लिया था। एम.फील पाठ्यक्रम का शुल्क 2 हजार 850 रुपए से 8 हजार 900 तथा पीएचड़ी का शुल्क 3 हजार 250 रुपए से 13 हजार 900 रुपए किया था। जनसचार ओर नाट्यकल व फिल्म अध्ययन इस विषय में एम.ए. का शुल्क 3 हजार 350 से 6 हजार 800 किया था। इस विषय का एमफील का शुल्क 2900 रुपए से 8 हजार 900 रुपए तथा पीएचड़ी का शुल्क 4 हजार 250 रुपए से 13 हजार 900 रुपए किया था।

इस शुल्कवृद्धि के विरोध में विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने कुलगुरु के कक्ष के सामने दिन तीनों से सत्याग्रह आंदोलन शुरु किया था। कुलगुरु गिरीश्वर मिश्र, उपकुलगुरु चित्तरंजन मिश्र, कुलानुशासक सूरज पालीवाल के साथ हुई चर्चा के पश्चात शुल्कवृद्धि के निर्णय को स्थगिती मिलने से विद्यार्थियों ने आंदोलन पिछे लिया।

शनिवार, 25 अप्रैल 2015

दैनिक भास्कर

सामाजिक दायित्व निर्वहन के लिए जनसंपर्क जरूरी : प्रो. राय

ब्यूरो | वर्धा.

सामुदायिक सामाजिक दायित्व सीएसआर को प्रभावी रूप से कार्यान्वित करने के लिए जनसंपर्क अत्यंत जरूरी है। यह विचार पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया के वर्धा चैप्टर के अध्यक्ष एवं महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के संचार एंव मीड़िया अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो. अनिल कुमार राय ने व्यक्त किए।

वे 21 अप्रैल को राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस एवं विवि में प्रभावी सामुदायिक सामाजिक दायित्व के लिए बेहतरीन जनसंपर्क पर आयोजित संगोष्ठी में बोल रहे थे। अतिथि के रूप में लखनऊ आकाशवाणी के पूर्व उद्घोषक तथा विख्यात कहानीकार नवनीत मिश्र, पत्रकार अशोक मिश्र तथा पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया के वर्धा चैप्टर के सचिव एवं विवि के जनसंपर्क अधिकारी बी.एस. मिरगे उपस्थित थे। उद्घोषक नवनीत मिश्र ने अपने आकाशवाणी के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि रेडियो पर समाचार उद्घोषक के रूप में काम करते हुए प्रत्येक शब्द का महत्व और उसकी प्रासंगिकता को ध्यान में रखना चाहिए। आज के दौर में इलेक्ट्रानिलक मीडिया में समाचार प्रस्तुतकर्ता को शब्द और वाक्य के प्रति अधिक संवेदनशील होना चाहिए। प्रो. अनिल रॉय ने कहा कि कार्पोरेट संस्थानों को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए और उसके लिए जनसंपर्क का प्रभावी इस्तेमाल करना चाहिए। प्रारंभ में बी.एस. मिरगे ने पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष के अजीत पाठक द्वारा जारी संदेश का पाठ किया। डा. पाठक ने कहा कि 21 अप्रैल 1968 में अपनी पहली जनसंपर्क परिषद आयोजित की थी। सन् 1986 से 21 अप्रैल को राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस मनाने का निर्णय लिया। जयपुर में आयोजित 36 वें जनसंपर्क सम्मेलन में सब का साथ सबका विकास को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

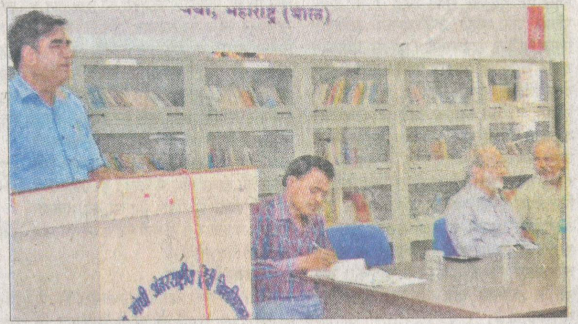

उन्होंने कहा कि सफल जनसंपर्क व्यवसायी एक अच्छा संवादकर्ता, प्रोद्योगिकी से लैसे और एक मानवी संवेदना से जुड़ा व्यक्ति होने के साथ-साथ सही मायनों में समाज वैज्ञानिक भी होता है। अच्छी और प्रभावी जनसंपर्क सेवा के माध्यम से हमें हमेशा समाज के हर तकबे की एम्पायर बनाने की दिशा में तत्पर रहना चाहिए। कार्यक्रम में जिले के सहायक जिला सूचना अधिकारी श्याम टरके, जानकीदेवी बजाज संस्थान में सीएसआर के प्रमुख विनेश काकड़े, विवि के सहायक प्रोफेसर डा. अख्तर आलम, राजेश लेहकपुरे, शोधार्थी शम्भूशरण गुप्त, बलीराम कोकाटे, शाहीन बानो, भवानी शंकर, संतोष मिश्रा, शशि गौर, इम्तियाज अंसारी, दीपिका, अनुपमा, निरंजन कुमार, अभिषेक राय, प्रिया गुप्ता, राजेंद्र यादव, शैलेंद्र पांडे सहित छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सोमवार 27 अप्रैल, 2015

दैनिक भास्कर

फाइलों को भी करें कम्प्यूटराइज्ड : प्रा. मिश्र

कर्मचारी प्रशिक्षण प्रकोष्ठ ने दिया कर्मियों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण

ब्यूरो | वर्धा.

सरकारी कामकाज में कम्प्यूटर के आने से क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। आज कागज और कलम का अभ्यास खत्म होता जा रहा है। प्रशासनिक कार्य को अधिक गति प्रदान करने के लिए फाइलों को कंप्यूटराइज्ड करने की आवश्यकता है। यह विचार कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने व्यक्त किए। वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि में कर्मचारी प्रशिक्षण प्रकोष्ठ एवं लीला द्वारा कर्मियों के लिए आयोजित पांच दिवसीय कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन पर बोल रहे थे। कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, कुलसचिव संजय गवई तथा प्रकोष्ठ के संयोजक राजेश अरोडा उपस्थित थे।

प्रशिक्षण में विवि के स्थायी एवं अस्थायी कर्मियों ने सहभागिता की। कम्प्यूटर से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर गिरीश चंद्र पांडेय, अंजनी कुमार राय, पंकज पाटील, अजय प्रताप सिंह, अरविंद कुमार राय, हेमलता गोडबोले आदि ने जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 25 को सुबह 10 बजे भाषा विद्यापीठ के सभागार में किया गया। इस अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र एवं कुलसचिव संजय गवई की उपस्थित में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

मंगलवार 28 अप्रैल 2015

दैनिक भास्कर

हिंदी विवि में पत्रिका-प्रकाशन के सीखाएं गुर

ब्यूरो|वर्धा. महात्मा गांधी अंतर राष्ट्रीय हिंदी विवि में कौशल सफल जीवन का आधार है इसी विचार के साथ विनोबा योग मंडल द्वारा कौशल विकास कार्यक्रम की श्रृखंला में पत्रिकाओं का प्रकाशन कैसे करें, इस विषय पर हाल ही में कार्यशाला आयोजित की गई। विनोबा योग मंडल के संयोजक डा. अरुण प्रताप सिंह ने कौशल विकास कार्यशाला के महत्व को बताते हुए कहा कि अध्यापक, .विद्यार्थी, कर्मचारी या फिर जनसामान्य सभी के लिए कौशल विकास आवश्यक है। उन्होंने बताया कि संबंधित कार्यशाला हर शनिवार को विवि में आयोजित की जाएगी । कार्यशाला के लिए उन्होंने वर्धा शहर के छात्रों को भी आमंत्रित किया है। इस समय एमफिल जनसंचार के विद्यार्थी सन्नी गौड़ ने पत्रिका प्रंकाशन के कौशल के लिए क्वार्क एक्स्प्रेस नामक सॉफ्टवेयर के उपयोग का पावर प्वाइंट के द्वारा प्रशिक्षण दिया। उन्होंने समाचार-पत्र या पत्रिका में चित्र, आवरण और सज्जा के समुचित संयोजन से किसी भी समाचार या आलेख को ह्दयग्राही बनाया जाता है, इस पर मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विद्यार्थी, कर्मचारी, नागरिकों ने प्रशिक्षु के रूप में भाग लिया। विनोबा योग मंडल के संयोजक ने आभार माना।

विनोबा योग मंडल द्वारा कार्यशाला आयोजित

बुधवार 29 अप्रैल, 2015

दैनिक भास्कर

हिंदी विवि का स्थापना के सत्रहवें वर्ष में प्रवेश

नए शैक्षणिक सत्र से शुरू किए जाएंगे रोजगारपरक पाठ्क्रम

पत्रकार परिषद में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दी जानकारी, ज्ञान का संवर्धन के लिए हुई स्थापना, 18 विभागों में हो रहा अध्ययन

ब्यूरो | वर्धा.

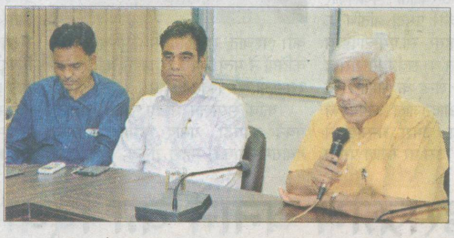

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने विवि द्वारा चलाए जाने वाले विभिन्न रोजगारपरक पाठयक्रमों की जानकारी मंगलवार को भाषा विद्यापीठ के सभागार में आयोजित पत्र-परिषद में दी। उन्होंने विवि में संचालित विभिन्न भारतीय भाषाओं के पाठ्यक्रमों के साथ-स्साथ चीनी, फ्रेंच, जापानी एवं स्पेनिश आदि भाषाओं के पाठ्यक्रमों के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विवि का तेज गति से विकास हो रहा है और यही कारण है कि विवि को हाल ही में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद नैक ने विवि को ए ग्रेड दिया है। पत्र परिषद में संचार एवं मीडिया अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो.अनिल कुमार राय और जनसंपर्क अधिकारी बी.एस.मिरगे उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने बताया कि हिंदी विवि में 18 विभागों में अध्यापन का कार्य चल रहा है। शिक्षा व संस्कृति, संस्कार व हिंदी का विस्तार किया जा रहा है। नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत इस वर्ष से की गई है। सातपुतड़ा रेंज की पहाड़ियों के बाहुपाश में विकसित गांधी हिल्स पर अवस्थित महात्मा गांधी हिंदी विवि वर्धा की स्थापना भारत की संसद द्वारा 1996 में पारित अधिनियम के अंतर्गत 1997 में केन्द्रीय विवि के रूप में की गई है। देश का यह पहला अंतरराष्ट्रीय विवि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कर्मभूमि सेवाग्राम वर्धा से करीब दस किमी की दूरी पर मुंबई-नागपुर हाई-वे पर लगभग 212 एकड़ क्षेत्रफल में अवस्थित है। हिंदी भाषा और साहित्य की उत्तारोत्तर उन्नति के साथ ज्ञान के विभिन्न विषयों में अध्ययन, अनुसंधान और प्रशिक्षण के समर्थ माध्यम के रूप में हिंदी का सम्यक विकास इसका प्रधान लक्ष्य है। देश और दुनिया की भाषाओं के साथ हिंदी के तुलनात्मक अध्ययन तथा उनसे आधुनिकतम एवं अद्यतन ज्ञान सामग्री का हिंदी में अनुवाद और विकास भी इस विवि की प्राथमिकता में शामिल है। वर्तमान बहुभाषा भाषी विश्व में एक समर्थ सम्पन्न अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी की पहचान विवि की प्रथम प्रतिश्रुति है कहा जाए तो यह विवि सेवाग्राम और पवना आश्रम की श्रृखंला की कड़ी में पल-प्रतिपल विचारों के गांधीवादी परिवर्तन की श्रृंखला से सुसज्जित आधुनिक आवर्तन **शेष** | पेज 16 प

नए शैक्षणिक सत्र ...

का अंतरराष्ट्रीय आश्रम है जहां भाषा, साहित्य, संस्कृति, अनुवाद एवं निर्वचन, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान, प्रबंधन तथा शिक्षा इन विद्यापीठों के अंतर्गत स्नातक, स्नातकोत्तर, शोध और डिप्लोमा आदि के विभिन्न रोजगारभिमूख पाठ्यक्रम सूचारु रुप से संचालित किए जा रहे हैं। यहां जो विषय पढ़ाये जा रहे हैं वे बहुत कम विवि में पढ़ाये जाते है। शैक्षणिक सत्र 2015-16 से विवि में बी.एड् का दो वर्षीय पाठ्यक्रम आरंभ हो रहा है। जिसे शुरू करने वाला भारत यह पहला केन्द्रीय विवि है। अध्ययन के लिए उपलब्ध सुविधाओं के साथ छात्रों को रोजगार के अवसर पाने के लिए अनेक मार्गो के चयन की सुविधा प्रदान की जाती है। विवि ने वर्धा मुख्यालय के अलावा अपने दो क्षेत्रीय केन्द्र शुरु किए है जो इलाहाबाद और कोलकाता में अवस्थित है। इन दोनों केन्द्रों पर भी अनेक पाठ्यक्रम संचालित हो रहा हैं। विवि ने इस शैक्षणिक सत्र में फिल्म निर्माण, अभिनय एवं मंच विन्यास में बी.वो के साथ-साथ हिंदी ऑनर्स, पत्रकारिता एवं जनसंचार ऑनर्स, बी.एस.डब्ल्यू और बी.कॉम ऑनर्स जैसे पाठ्यक्रम आरंभ किए है। विवि में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है और 19 मई तक आवेदन की अंतिम तिथि र खी गई है। आवेदन ऑनलाइन उपलब्ध होने की जानकारी पत्रकार परिषद में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दी।

गुरुवार 30 अप्रैल 2015

दैनिक भास्कर

हिंदी विवि में राहुल सांकृत्यायन की स्मृति में व्याख्यान

समतावादी, मानवधर्म के प्रति समर्पित थे सांकृत्यायन : डा.नीरन

ब्यूरो|वर्धा.. बौद्ध धर्म की दीक्षा लेने वाले सांकृत्यायन ने समाज को गले-सड़े संस्कारों से बाहर आकर नया करने की ऊर्जा प्रदान की। राहुल सांकृत्यायन समतावादी और मानव धर्म के प्रति समर्पित थे। यह विचार बतौर मुख्य वक्ता विवि के अवासीय लेखक डा.अरुणेश नीरन ने राहुल की दृष्टि विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम में व्यक्त किए। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय में सांकृत्यायन की स्मृति में आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में वे बोल रहे थे। उन्होंने सांकृत्यायन के जीवन के गंभीर और विचारोत्तेजक बातों से उनके जीवन के अनेक पहलुओं पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरिश्वर मिश्र ने की। अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि राहुल सांकृत्यायन ने बौद्ध धर्म का गहराई से अध्ययन करने के लिए अनेक देशों का भ्रमण किया। सामाजिक जीवन कैसे जिया जाए इसका मंत्र उन्हें बुद्ध के विचारों से प्राप्त हुआ और वे बौद्ध धर्म के प्रति आकर्षित हुए। प्र-कुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने राहुल सांकृत्यायन के पाली साहित्य पर किए गए कार्य की भरपूर प्रशंसा की। कर्यक्रम के प्रारंभ में मंचासीन अतिथियों द्वारा राहुल की प्रतिमा पर माल्यार्पण का अभिवादन किया गया। अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत आनंद मंडित मलयज, नटराज वर्मा एवं शील भगत ने किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. मैत्रेयी घोष ने किया। कार्यक्रम में प्रो. एल कारुण्यकरा, प्रो. के के सिंह, प्रो. अरबिंद झा, प्रो. विजय कौल, सहित विभिन्न विभागों के अध्यापक, कर्मी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या मे उपस्थित थे।

गुरुवार, दि. २ एप्रिल २०१५

देशोन्नती

मूल्याची साधना हेच शिक्षण होय

कुलपती प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांचे विचार

हिंदी विश्वविद्यालयात तीन दिवसीय राष्ट्रीय चर्चासत्राचा समारोप

प्रतिनिधी / १ एप्रिल

वर्धा :मूल्यांची साधना हेच शिक्षण होय. व्यक्तीला घडविण्याची प्रक्रिया शिक्षणातूनच निर्माण होते. शिकण्याच्या पद्धतीत आज आमूलाग्र परिवर्तन झाले असून मोबाईल आणि आइपॉड सारख्या उपकरणांचा उपयोग शिक्षणात मोठ्याप्रमाणात आवश्यक झाला आहे. असे प्रतिपादन महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु प्रो. गिरीशवीर मिश्र यांनी व्याक्त केले.

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालय येथील शिक्षण आणि मनोविज्ञान विभाग तसेच भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नवी दिल्ली यांच्या संयुक्त वतीने आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय चर्चासत्राच्या समारोपीय कार्यक्रमाप्रसंगी ते बोलत होते.

यावेळी आयआयटी कानपूरच्या प्रो. लीलावती कृष्णन, जेएनयू, दिल्लीचे प्रो. अरविंद कुमार मिश्र, प्रो. बालकृष्ण उपाध्याय, शिक्षा विद्यापीठाचे अधिष्ठाता तथा संगोष्ठी संयोजक प्रो. अरबिंद कुमार झा, नाट्यकला व फिल्म अध्ययन विभागाचे अध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा यांची उपस्थिती होती. तीन दिवसीय चर्चासत्राचा समारोप हबीब तनवीर सभागृहात झाला. यावेळी कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी उपस्थितांना प्रमाणपत्र प्रदान केले.प्रो. लीलावती कृष्णा म्हणाल्या, शोध करतांना नवनव्या पायऱ्यांच्या माध्यमातून शोध केला जावा प्रो. अरबिंद कुमार झा यांनी मूल्य संकट आणि शोध यावर विचार मांडले.प्रो. सुरेश शर्मा यांनी यांनी दृश्यू आणि श्रव्य माध्यामातूनही शोध झाला पाहिजे आणि त्याला मान्यता मिळाली पाहिजे अशी सूचना केली. प्रो. अरविंद कुमार मिश्र आणि बालकृष्ण उपाध्याय यांनीही समयोचित विचार मांडले. चर्चासत्राचे संचालन सहाय्यक प्रोफेसर ऋषभ मिश्र यांनी केले तर आभार सहायक प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह यांनी मानले.कार्यक्रमाला अधिष्ठाता, अध्यापक, अधिकारी, शोधार्थी, प्रतिनिधी आणि विद्यार्थ्यांची मोठ्याप्रमाणात उपस्थिती होती.

गुरुवार दि. २ एप्रिल २०१५

थोडक्यात

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात आयोजीत राष्ट्रीय चर्चासत्राच्य समारोपाप्रसंगी नागरिकांची उपस्थिती होते.

गुरूवार, दि.२ एप्रिल २०१५

देशोन्नती

अभ्युदय बहुउद्देशीय संस्थांद्वारा हिंदी प्रचारकांना

हिंदी सेवी सारस्वत प्रचारक सन्मान

केंद्रीय मनुष्यबळ विकास मंत्रालय आणि केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली यांचे संयुक्त आयोजन

प्रतिनिधी /१ एप्रिल

वर्धा : बहुउद्देशीय संस्था, वर्धा द्वारा केंद्रीय मनुष्यबळ विकास मंत्रालय, भारत सरकार तथा केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली यांच्या संयक्त विद्यमाने नागपूर येथे आयोजित हिंदी प्रचार कार्यकर्ता शिबिर व हिंदी सेवी प्रचारक सन्मान समारंभात हिंदी प्रचारकांना हिंदी सेवी सारस्वत प्रचारक सन्मानाने गौरविण्यात आले.

हा सन्मान प्राप्त करणाऱ्यांमध्ये डॉ. रेणू बाली, नागपूर, डॉ. मृणाल मैंद, गोंदिया, डॉ. उषा साजापूरकर, नागपूर, डॉ. मधुलता व्यास, मुंबई, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा, डॉ. एम. एम. कडू, नागपूर, डॉ. सुहास खंडारे, वर्धा, बी. एस. मिरगे, जनसंपर्क अधिकारी, महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, नीतू सिंह, नागपूर, सुभाष मोगरे, नागपूर, बालकृष्ण महाजन, राजभाषा अधिकारी मध्य रेलवे नागपूर, सुहास खंडारे, राळेगांव, त्र्यंबक पुष्पलवार, वर्धा, विशाल चाँदवानी, नागपूर, राजेंद्र कुमार विजयवर्गीय, वर्धा, अजय वाखले, तिरोडा, श्रीमती वीणा कुंभारे, तिरोडा, विजया पांडे, आर्वी, अर्चना पुट्टेवार नागपूर, मिनल बालपांडे, वर्धा तसेच शिवाजी वालोकार यांचा समावेश आहे.

धनवटे सभागृह, महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा प्रचार सभा, नागपूरच्या येथे रविवारी संपन्न कार्यक्रमात हिंदी प्रचारकांना प्रमाणपत्र, स्मृतिचिन्ह आणि प्रशस्तीपत्र प्रदान करण्यानत आले.

कार्यक्रमात प्रमुख पाहुणे म्हणून राणू हायस्कूल नागपूरचे अध्यक्ष डॉ. जीवतराम चाँदवानी, अभ्युदय बहुउद्देशीय संस्था, वर्धाचे सचिव नरेंद्र दंढारे, कवयित्री डॉ. करूणा उमरे, सीए तथा समाजसेवी दीपक भुतडा, नागपूर महानगर पालिकेतील सदस्य ॲड. रेखा बारहाते, रामदेव इंजीनियरिंग कॉलेज, नागपूरचे विनय बारहाते उपस्थित होते.

यावेळी प्रदीप कुमार नागपूरकर द्वारा संपादित युवा संस्कार या द्विभाषी मासिकाचे प्रकाशनही करण्यात आले. कार्यक्रमाचे संचालन डॉ. नीता सिंह यांनी केले तर आभार अविनाश बिंसन यांनी मानले.

सन्मानित प्रचारकांना अभ्युदय बहुउद्देशीय संस्थेचे अध्यक्ष वैद्यनाथ अय्यर आणि संस्थेच्या पदाधिकाऱ्यांनी शुभेच्छा् दिल्या. कार्यक्रमाला नागपुर आणि वर्धेतील मान्यवर मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

गुरूवार, दि.२ एप्रिल २०१५

थोडक्यात

वर्धा : येथील हिंदी विश्वविद्यालयातील एका कार्यक्रमात मान्यवरांना 'हिंदी सेवा सारस्वत प्रचारक' सन्मानाने पुरस्कृत करण्यात आले.

देशोन्नती
सोमवार, दि.६ एप्रिल २०१५

मुंबईत १० एप्रिल रोजी 'चॉइस बेस्ड व क्रेडिट सिस्टम' वर कार्यशाळेचे आयोजन

प्रतिनिधी/ ५ एप्रिल

वर्धा : येथील महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय आणि विद्यापीठ अनुदान आयोग, नवी दिल्ली यांच्या संयुक्त विद्यमाने येत्या १० एप्रिल रोजी मुंबई विद्यापीठात 'चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम' वर एका कार्यशाळेचे आयोजन करण्यात आले आहे.

कार्यशाळेचे उदघाटन विद्यापीठाचे कुलगुरु प्रा. गिरीश्वर मिश्र यांच्याहस्ते मुंबई विद्यापीठातील कविवर्य कुसुमाग्रज मराठी भाषा भवनाच्या सभागृहात सकाळी ९.३० वा. करण्यात येणार आहे. या कार्यशाळेत महाराष्ट्र , गोवा, मध्यप्रदेश,झारखंड,छत्तीसगड आणि बिहार या सहा राज्यांमधील विद्यापीठांचे कुलगुरु, केंद्रीय संस्थाचे पदाधिकारी आणि महाविद्यालयाचे प्राचार्य सहभागी होणार आहेत. कार्यशाळेत विद्यापीठ अनुदान आयोगाचे उपाध्यक्ष प्रा.एच. देवराज,केंद्रीय मनुष्यबळ विकास मंत्रालयातील उपसचिव सूरज सिंह तसेच मंत्रालयातील यूजीसीचे निदेशक अमित शुक्ला विषय तज्ज्ञ म्हणून उपस्थित राहणार आहेत.देशातील विद्यापीठे आणि शैक्षणिक गुणवत्ता वाढविण्याच्या दृष्टी यूजीसीने अनेक पाऊले उचलली आहेत, याचाच एक भाग म्हणून विद्यार्थ्यांना नव्या पद्धतीने शिक्षण मिळावे म्हणून ही कार्यशाळा घेण्यात येत आहे.

सहा राज्याकरिता कार्यशाळा आयोजित करण्याची जबाबदारी यूजीसी आणि मंत्रालयाने महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयावर सोपविली असून संपर्क अधिकारी म्हणून कुलसचिव संजय भाष्कर गवई यांच्याकडे दायित्व देण्यात आले आहे.या कार्यशाळेत कौशल्य आधारित व्यावसायिक अभ्यासक्रम तयार करण्यावरही चर्चा करण्यात येणार आहे,अशी माहिती संजय गवई यांनी दिली.कार्यशाळेत १३४ विद्यापीठे, १०० अखिल भारतीय तंत्र शिक्षण परिषदेचे पदाधिकारी आणि ७६ महाविद्यालयांचे प्राचार्य उपस्थित राहणार आहेत. कार्यशाळेच्या यशस्वी आयोजनासाठी कुलगुरु प्रा.गिरीश्वर मिश्र यांच्या मार्गदर्शनाखाली विश्वविद्यालयाची चमू मुंबईला जाणार आहे.यात प्रा.अरविंद झा,जनसंपर्क अधिकारी बी.एस.मिरगे,हिंदी अधिकारी राजेश यादव,संजय तिवारी,सुधीर ठाकुर,पंकज पाटील यांचा समावेश आहे.

दैनिक भास्कर
सोमवार, 6 अप्रैल 2015

च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम पर कार्यशाल 10 को

ब्यूरो|वर्धा. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि अनुदान आयोग नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मुंबई विवि में 10 अप्रैल को मुंबई में चोंइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला में 6 राज्यों के केंद्रीय विवि, राज्य विवि, विवि अनुदान आयोग, एनएसडीसी, तथा एआईसीटीई एवं महाविद्यालयों के 350 से अधिक प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

कार्यशाला का उद्घाटन विवि के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र करेंगे। उद्घाटन समारोह में विवि अनुदान आयोग के उपाध्यक्ष प्रो. देवराज मुख्य वक्ता के रूप में तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय में उपसचिव सूरज सिंह, मत्रालय में यूजीसी के निदेशक अमित शुक्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

अकादमिक गुणवत्ता को बढ़ाने हेतु विवि अनुदान आयोग ने कई कदम उठाए है। इसी दिशा में 6 राज्यों के लिए कार्यशाला करने का दायित्व महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि, को मिला है। इस कार्यशाला में शामिल होने वाले 6 राज्य है।

देशोन्नती
रविवार, दि. १२ एप्रिल २०१५

थोडक्यात

वर्धा : स्थानिक आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात एका कार्यक्रमात मान्यवरांना सन्मानित करण्यात आले. त्यावेळी विश्वविद्यालयातील प्राध्यापकांसह विद्यार्थ्यांची मोठ्या प्रमाणात उपस्थिती होती.

उड्डाण पुलावरील पथदिवे ठरताहेत शोभेचे

देशोन्नती

बुधवार, दि.८ एप्रिल २०१५

थोडक्यात

वर्धा : हिंदी विविमध्ये आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठता आयक्युसीच्या चौथ्या बैठकीत विविध शैक्षणिक विषयावर चर्चा करण्यात आली.

देशोन्नती

शुक्रवार, दि. १७ एप्रिल २०१५

माहिती...

प्रो. चित्तरंजन मिश्र यांचे विचार

डॉ. आंबेडकरांनी ज्ञानाच्या बळावर मोठ-मोठ्या शक्तींना झुकविले

भाषण स्पार्धेत उपासना गौतमने पटकावला प्रथम पुरस्कार

प्रतिनिधी / १६ एप्रिल

वर्धा : डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरांनी आपल्या ज्ञानाच्याा बळावर मोठ-मोठ्या शक्तींना झुकविले. त्यांनी प्राप्त केलेल्या ज्ञानाचा दिवा आपल्यात तेवत ठेवण्याासाठी आम्हाला त्यांच्याकडून प्रेरणा घेतली पाहिजे असे विचार महात्मा् गांधी आंतरराष्ट्राीय हिंदी विश्वाविद्यालयाचे प्रकुलगुरु प्रो. चित्तारंजन मिश्र यांनी व्यक्त केले.

विश्व विद्यालयात भारतरत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर यांच्या १२४व्या जयंतीचे आयोजन हबीब तनवीर सभागृहात करण्यात आले होते. याप्रसंगी ते बोलत होते.

यावेळी अध्यक्षस्थानी प्रकुलगुरू चित्तरंजन मिश्र होते. अतिथी म्हणून दलित व जनजाती अध्ययन केंद्राचे निदेशक तथा संस्कृती विद्यापीठाचे अधिष्ठा्ता प्रो. एल. कारूण्यिकरा, भाषा विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ला, शिक्षा विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. अरबिंद कुमार झा, डॉ. भदंत आनंद कौसल्ययीन बौद्ध अध्ययन केंद्राचे प्रभारी डॉ. सुरजीत कुमार सिंह यांची यावेळी उपस्थिती होती.

प्रो. मिश्र म्हणाले की डॉ. आंबेडकरांवर बुद्धांच्या विचारांचा मोठा प्रभाव होता. त्यांनी बुद्धकालीन गणराज्य व्यवस्थेचा अभ्यास करून त्यातील अनेक तत्व भारतीय राज्यघटनेमध्ये समाविष्ट केलीत. ते म्हणाले की दलित आणि इतर मागास घटकांमध्ये न्यायाची भूक निर्माण करण्यासाठी महात्मा फुले, लोहिया आणि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर यांनी मोलाचे कार्य केले. आता भारतच नव्हे तर इतर देशही बाबासाहेबांच्या ज्ञानाची दखल घेत आहे असेही ते म्हणाले. प्रो. एल. कारूण्य करा म्हणाले की डॉ. आंबेडकरांना केवळ दलितांचा नेता म्हणता येणार नाही ते समग्र देश आणि समाजाचे नेते होते आणि त्यांनी प्रत्येक घटकांसाठी पराकोटीचा संघर्ष केला. प्रो. अर बिंद कुमार झा यांनी डॉ. आंबेडकर हे ज्ञानाचे प्रतीक होय असे संबोधन दिले. कार्यक्रमानंतर विद्यार्थी आणि कर्मचाऱ्यांकरिता 'दलित आणि सामाजिक परिवर्तन' या विषयावर भाषण स्पर्धा घेण्यात आली. प्रथम पुरस्कार उपासना गौतम हिला तर दुसरा पुरस्कार रजनीश कुमार त्रिपाठी यांना तर तृतीय पुरस्कार आकाश खोब्रागडे, दिनेश पटेल आणि राजेश अहिरवार यांना घोषित करण्यात आला. स्पर्धेत २० हून अधिक विद्यार्थी सहभागी झाले होते. परीक्षक म्हेणून प्रो. एल. कारूण्य करा, प्रो. अरबिंद कुमार झा आणि डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी यांनी काम पाहिले. अमन ताकसांडे यांनी 'वो बात करो पैदा...' हे गीत सादर केले. संचालन डॉ. सुरजीत कुमार सिंह आणि साहित्य विद्यापीठातील सहायक प्रोफेसर डॉ. उमेश कुमार सिंह यांनी केले. यावेळी अध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी, तसेच शहरातील नागरिकांची आणि विद्यार्थ्यांची मोठ्याप्रमाणात उपस्थिती होती.

देशोन्नती
शुक्रवार, दि.२४ एप्रिल २०१५

वर्धा : राष्ट्रीय जनसंपर्क दिनानिमित्त विश्वविद्यालयात 'प्रभावी सामुदायिक सामाजिक जबाबदारीकरिता उत्कृष्ट जनसंपर्क' या विषयावर चर्चासत्रात नागरिकांनी उपास्थिती दाखविली होती.

सामुदायिक सामाजिक जबाबदारीत जनसंपर्क महत्वाचा : प्रो. अनिल राय

पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया, वर्धा चॅप्टेरच्या वतीने राष्ट्रीय जनसंपर्क दिनाचे आयोजन

वर्धा, महाराष्ट्र (भाल)

प्रतिनिधी/२३एप्रिल

वर्धा : सामुदायिक सामाजिक जबाबदारीची (सीएसआर) प्रभावीपणे अंमलबजावणी करण्यासाठी जनसंपर्क महत्वाचे काम करते असे प्रतिपादन पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया, चॅप्टशरचे अध्यक्ष तसेच महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील संचार व मीडिया अध्ययन केंद्राचे निदेशक प्रो. अनिल कुमार राय यांनी केले.

२१ एप्रिल रोजी राष्ट्रीय जनसंपर्क दिनानिमित्त विश्वविद्यालयात 'प्रभावी सामुदायिक सामाजिक जबाबदारीकरिता उत्कृष्ट जनसंपर्क' या विषयावर आयोजित परिचर्चेत ते बोलत होते.

कार्यक्रमाला अतिथी म्हणून लखनौ आकाशवाणी केंद्राचे माजी उदघोषक तथा प्रतिष्ठित कहानीकार नवनीत मिश्र, बहुवचनचे संपादक अशोक मिश्र, पीआरएसआय वर्धा चॅप्टररचे सचिव, विश्व विद्यालयाचे जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे उपस्थित होते.

उदघोषक नवनीत मिश्र यांनी आकाशवाणीतील प्रदीर्घ अनुभवांविषयी चर्चा केली. ते म्हपणाले, आकाशवाणीवर वृत्त् निवेदक म्हाणून काम करतांना शब्दां चा वापर कसा करावा याकडे लक्ष देणे गरजेचे असते. आजच्या् काळात इलेक्ट्रॉनिक मीडियातील वृत्ता प्रस्तुजतकर्त्यांचनी शब्दत आणि वाक्योंप्रती अधिक संवेदनशील असले पाहिजे असेही ते म्हणाले.

बी. एस. मिरगे यांनी पीआरएसआयचे राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक यांनी पाठविलेल्या संदेशाचे वाचन केले.

यावेळी सहायक जिल्हा माहिती अधिकारी शाम टरके, जानकीदेवी बजाज संस्थोचे सीएसआर प्रमुख विनेश काकडे, सहायक प्रोफेसर डॉ. अख्तार आलम, राजेश लेहकपुरे, शोधार्थी शम्भूशरण गुप्तह, बळीराम कोकाटे, शाहीन बानो, भवानी शंकर, संतोष मिश्रा, शशि, इम्तियाज अंसारी, दीपिका, अनुपमा, निरंजन कुमार, अभिषेक राय, प्रिया ग़ुप्ताा, राजेंद्र यादव, शैलेंद्र पांडे यांच्यातसह विद्यार्थी मोठया संख्येने उपस्थित होते.

देशोन्नती
सोमवार, दि.२७ एप्रिल २०१५

फायली संगणकीकृत करण्याची गरज

कुलगुरु प्रा. गिरिश्वर मिश्र यांचे प्रतिपादन ; हिंदी विश्वविद्यालयात कर्मचाऱ्यांना प्रशिक्षण

प्रतिनिधी/ २६ एप्रिल

वर्धा : संगणकामुळे सरकारी कामकाजात क्रांतीकारी परिवर्तन आले आहे. आज कागद आणि पेन यांचा वापर कमी-कमी होत चालला आहे. प्रशासकीय कामात अधिक गती आणण्याकरिता फाइलीही संगणकीकृत करण्याची गरज आहे, असे प्रतिपादन कुलगुरू प्रा. गिरीश्वर मिश्र यांनी केले.

ते महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात कर्मचारी प्रशिक्षण विभाग आणि 'लीला' विभाग यांच्या वतीने कर्मचाऱ्यांकरिता आयोजित पाच दिवसीय संगणक प्रशिक्षण कार्यशाळेच्या उदघाटन

कार्यक्रमात बोलत होते. यावेळी प्रकुलगुरू प्रा. चित्तपरंजन मिश्र, प्रा. हनुमानप्रसाद शुक्ल, कुलसचिव संजय गवई व संयोजक राजेश अरोड़ा उपस्थित होते.

प्रशिक्षणात जवळपास ५० कर्मचारी सहभागी झाले.

त्यांना गिरीश पांडेय, अंजनी राय, पंकज पाटील, अजयप्रताप सिंह, अरविंद कुमार, हेमलता गोडबोले यांनी संगणकाशी संबंधित अद्ययावत माहिती आणि कामकाजाविषयीचे प्रशिक्षण दिले. प्रकुलगुरू प्रा. चित्तरंजन मिश्र आणि कुलसचिव संजय गवई यांच्या उपस्थितीत कर्मचाऱ्यांना २५ तारखेला भाषा विभागात सकाळी १० वाजता प्रमाणपत्र प्रदान करण्यात येणार आहे.

वर्धा : स्थानिक महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात एका कार्यक्रमात कर्मचाऱ्यांची मोठी उपस्थिती होती.

बुधवार, दि.२९ एप्रिल २०१५

हिंदी विश्वविद्यालयात रोजगाराभिमूख अभ्यासक्रम : कुलगुरु मिश्र

प्रतिनिधी / २८ एप्रिल

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी विश्वविद्यालयात नव्या शैक्षणिक सत्रापासून संचालित विविध रोजगाराभिमूख अभ्यासक्रमांची माहिती मंगळवारी (ता.२८) भाषा विद्यापीठाच्या सभागृहात आयोजित पत्रकार परिषदेत दिली.

विश्वविद्यालयाच्या इतिहासात प्रथमच बी. एड., एम. कॉम आणि एम.बी. ए. सारखे विषय सुरू करण्यात येणार आहेत. विविध भारतीय भाषांसह चीनी, फ्रेंच, जापानी आणि स्पेनिश या भाषांचे अभ्यासक्रम विश्वविद्यालयात सुरू असल्याचे त्यांनी सांगितले. विश्वविद्यालयातील शैक्षणिक प्रगती आणि संशोधनाची गुणवत्ता यामुळे विश्वविद्यालयाला राष्ट्रीय मूल्यांकन आणि प्रत्यायन परिषद 'नॅक' ने 'ए' ग्रेड प्रदान केला आहे, असेही ते म्हणाले. यावेळी संचार आणि मीडिया अध्ययन केंद्राचे निदेशक प्रो. अनिल कुमार राय आणि जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे उपस्थित होते. महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाने स्थापनेच्या सतराव्या वर्षात पदार्पण केले आहे. मोठ्या जोमाने आणि शक्तीने शैक्षणिक क्षेत्रात पुढे जात आहे. वास्तविक हे विश्वविद्यालय विकासाच्या महत्वाच्या टप्प्यांवर मार्गक्रमण करीत आहे. या विश्वविद्यालयाची परिकल्पना शिक्षणाची एक पर्यायी संस्था म्हाणून करण्यात आली आहे. महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा हे सातपुडा पर्वतरांगांच्या बाहुपाशात विकसित भारतीय संसदेत १९९६ मध्ये पारित अधिनियमाअंतर्गत १९९७ मध्ये एक केंद्रीय विश्वविद्यालय म्हणून स्थापित करण्यात आले आहे. देशातील हे एक पहिले आंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय असून हे राष्ट्रपीता महात्मा गांधी यांची कर्मभूमी सेवाग्राम येथून जवळपास दहा किलोमीटर अंतरावर मुंबई-नागपूर महामार्गावर .२१२ एकराच्या भूमीत कार्यरत आहे. दीर्घकाळ चाललेल्या प्रयत्नांतून हे विश्वविद्यालय आकारास आले आहे. हिंदी भाषा आणि साहित्याची उत्तरोत्तर प्रगतीसह ज्ञानाच्याा विविध विषयांमध्ये अध्ययन, शोध आणि प्रशिक्षणाचे समर्थ माध्यम म्हणून हिंदीचा सम्यक विकास हे या विश्वविद्यालयाचे मुख्य प्रधान लक्ष आहे. देश आणि विदेशी भाषांसह हिंदीचे तुलनात्मक अध्ययन आणि आधुनिकतम व अद्यावत ज्ञान-सामुग्रीचे हिंदीत भाषांतर व विकास करणे हेही या विश्वविद्यालयाच्या प्राधान्यक्रमात समाविष्ट आहे. हे विश्वविद्यालय सेवाग्राम आणि पवनार आश्रमाच्या श्रृंखलेत गांधीवादी आधुनिक आवर्तनाचा आंतरराष्ट्रीय आश्रम होय. जिथे भाषा, साहित्य, संस्कृती, अनुवाद आणि निर्वचन, मानव्य आणि सामाजिक शास्त्रे, विद्यापीठाअंतर्गत पदवी, पदव्यूत्तर, शोध आणि डिप्लोमा अशा विविध रोजगाराभिमूख अभ्यासक्रम संचालित केले जात आहेत. वर्ध्याशिवाय कोलकाता आणि अलाहाबाद येथेही विश्वविद्यालयाची प्रादेशिक केंद्रे चालू आहेत आणि तेथे विविध अभ्यासक्रमाचे अध्ययन-अध्यापन होत असल्याची माहिती त्यांनी दिली. चालू शैक्षणिक सत्रात बी. एड. या दोन वर्षीय अभ्याासक्रमाची सुरूवात होत आहे. या शैक्षणिक सत्रापासून चित्रपट निर्मिती, अभिनय आणि मंच विन्योस या विषयांमध्ये बॅचलर ऑफ व्होकेशनल आणि हिंदी ऑनर्स, पत्रकारिता आणि जनसंचार ऑनर्स, बी. एस. डब्ल्यू. आणि बी. कॉम आनर्स हे विषय सुरू केले आहेत. प्रवेश घेतलेल्या प्रत्येक विद्यार्थ्याला येथे संगणक शिकणे आवश्यक आहे असून त्यासाठी त्याला स्वतंत्र पेपर द्यावा लागतो. माहिती आणि तंत्रज्ञानाशी विद्यार्थी अवगत असावा, यासाठी येथे प्रयत्न करण्यात येत असल्याचेही कुलगुरु मिश्र यांनी सांगितले.

The Hitavada

VIDARBHA Line

THURSDAY, APRIL 2, 2015

13

Seven from Wardha distt honoured for excellence in teaching Hindi

■ District Correspondent
WARDHA, Apr1

The *Hindi Sevi Saraswat Pracharak Sanman* winners with dignitaries.

SEVEN persons from Wardha district were honoured with *Hindi Sevi Saraswat Pracharak Sanman* for their excellence in teaching Hindi language during Hindi Prachar Karyakarta Shibir in Nagpur recently.

The said camp was organised at Maharashtra Rashtrabhasha Prachar Sabha, Nagpur, by Abhyuday Multipurpose Society, Wardha, in association with Human Resources Development Ministry, Government of India and Central Hindi Directorate, Delhi. Dr Jeevatram Chandwani, President of Ranu High School, Nagpur, Narendra Dandhare, Secretary of Abhyuday Multipurpose Society, Dr Karuna Umre, renowned poetess, CA Deepak Bhutada, Adv Rekha Barahate, Corporator of Municipal Corporation, Nagpur, and Vinay Barahate of Ramdev College of Engineering, Nagpur, graced the programme.

Dr Renu Bali (Nagpur), Dr Mrunal Maind (Gondia), Dr Usha Sajapurkar (Nagpur), Dr Madhulata Vyas (Mumbai), Dr Anwar Ahmad Siddiqui of MGIHU (Wardha), Dr M M Kadu (Nagpur), Dr Suhas Khandare (Wardha), B S Mirge, MGIHU PRO (Wardha), Neetu Singh (Nagpur), Subhas Mogare (Nagpur), Balkrushna Mahajan, Rajbhasha Adhikari of Central Railway (Nagpur), Suhas Khandare (Ralegaon), Triyambak Pushp-alwar (Wardha), Vishal Chand-wani (Nagpur), Rajendra Kumar Vijayvargiya (Wardha), Ajay Wakhale(Tiroda), Veena Kum-bhare (Tiroda), Vijaya Pande (Arvi), Archana Puttewar (Nag-pur), Minal Balpande (Wardha) and Shivaji Walokar were presented certificates and memento at the hands of the dignitaries for their great contribution. Vaidyanath Ayyar, President of the Multipurpose Society, and office bearers congratulated them.

Dr Neeta Singh conducted the proceedings while Avinash Bisan proposed a vote of thanks. The programme was well attended.

The Hitavada
April 30 ■ 2015

MGIHU organises computer training for employees

Participants of the training programme with V-C Prof Chittaranjan Mishra.

■ **District Correspondent**
WARDHA, Apr 29

"COMPUTER is a part and parcel of everyone's life. Knowledge of the world is available only on a single button of computer. To bring speed and transparency in office work, computer training is extremely necessary," opined Prof Chittaranjan Mishra, Vice-Chancellor of MGIHU during the valedictory programme of computer training organised for university employers.

Prof Hanuman Prasad Shukla, Sanjay Gawai Registrar, Rajesh Arora Program Coordinator Leela Prabhari, Girish Pande, Hemlata Godbole, Trainer Pankaj Patil, Anjani Roy and Arvind Kumar were present on dais.

Prof Mishra distributed certificates to trainers on this occasion. Hanuman Prasad Shukla and Sanjay Gawai also expressed their views. As many as 50 employees participated in training programme. Rajesh Arora conducted proceedings of the programme and also proposed a vote of thanks.

लोकमत
बुधवार, दि. १ एप्रिल २०१५

14

हिंदीसेवी सारस्वत प्रचारक सन्मान

वर्धा : अभ्युदय बहुउद्देशीय संस्था, वर्धा, केंद्रीय मनुष्यबळ विकास मंत्रालय, भारत सरकार आणि केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली यांच्या संयुक्त विद्यमाने हिंदी भाषेचा प्रचार व सेवा करीत असलेल्या प्रचारकांना सन्मानित करण्यात आले. यामध्ये डॉ. रेणू बाली, डॉ. मृणाल मैंद, डॉ. उषा साजापूरकर, डॉ. मधुलता व्यास, डॉ. अनवर सिद्दीकी, डॉ. एम. एम.कडू, डॉ. सुहास खंडारे, बी. एस. मिरगे, नीतू सिंह, सुभाष मोगरे, बालकृष्ण महाजन, सुहास खंडारे, त्र्यंबक पुष्पलवार, विशाल चाँदवानी, राजेंद्रकुमार विजयवर्गीय, अजय वाखले, वीणा कुंभारे, विजया पांडे, अर्चना, पुट्टेवार, मिनल बालपांडे, शिवाजी वालोकार यांचा समावेश आहे. कार्यक्रमाला डॉ. जीवतराम चाँदवानी, नरेंद्र दंढारे, डॉ. करुणा उमरे, दीपक भुतडा, अ‍ॅड. रेखा बारहाते, विनय बारहाते उपस्थित होते.